vinetur

टकीला की तेजी ने मेक्सिको के वनों की कटाई रोकने के सुरक्षा उपायों के बावजूद संरक्षित जंगलों तक एगेव की खेती पहुंचाई

जांच में पाया गया कि वनों की कटाई-मुक्त प्रमाणन के बावजूद 2017 से ब्लू एगेव का रकबा 218% बढ़ा

बुधवार, 11 नवंबर 2026



2019 में जब मैनुएल गार्सिया कास्त्रो ने जलिस्को के टकीला हाइलैंड्स में अपनी जमीन का एक हिस्सा ब्लू एगेव की खेती के लिए अलग रखा, तब यह फसल मवेशी या मक्का पालने-उगाने की तुलना में कहीं अधिक कमाई का जरिया लगी। एक मित्र ने इस काम के लिए पूंजी लगाई और गार्सिया ने खेत में मेहनत की। उन्होंने करीब तीन हेक्टेयर जमीन और पास की चरागाह में 15,000 पौधे लगाए। कुछ ही वर्षों में जिस बाजार ने उन्हें इस काम की ओर खींचा था, वही उनके खिलाफ हो गया। 2023 तक एगेव के लिए मिलने वाला भाव 2017 से 2019 के बीच के स्तर से 92% तक गिर चुका था और दोनों लोगों ने खेत छोड़ दिए।

उनका मामला मेक्सिको के टकीला क्षेत्र में बार-बार दिखने वाले व्यापक चक्र को दर्शाता है। आधिकारिक आंकड़ों, उपग्रह विश्लेषण और अकादमिक अध्ययनों के आधार पर Mongabay Latam की जांच में पाया गया कि टकीला की तेजी ने जलिस्को और टकीला बनाने वाले अन्य क्षेत्रों में वनाच्छादित और पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील इलाकों तक ब्लू एगेव की खेती का तेजी से विस्तार किया। यह सब तब भी हुआ, जब अधिकारियों और उद्योग ने वनों की कटाई रोकने के उद्देश्य से प्रमाणन शुरू किया था।

इस विस्तार का पैमाना बड़ा है। मेक्सिको के कृषि मंत्रालय Sader के अनुसार, टकीला के लिए एगेव की खेती का रकबा 2017 से 2025 के बीच 218% बढ़कर 86,722 हेक्टेयर से 276,043 हेक्टेयर हो गया। Tequila Regulatory Council (CRT) के मुताबिक, इसी अवधि के आसपास टकीला का उत्पादन 2016 में 273.3 मिलियन लीटर से बढ़कर 2025 में 583.5 मिलियन लीटर हो गया। उत्पादन 2022 में 651.4 मिलियन लीटर के शिखर पर पहुंचा। निर्यात भी 2020 के 286.7 मिलियन लीटर से बढ़कर 2022 में 418.9 मिलियन लीटर हो गया। Sader का कहना है कि 2023 से 2025 के बीच शिपमेंट में 5.2% की और वृद्धि हुई, जिसमें अमेरिका मुख्य बाजार रहा।

इस वृद्धि ने टकीला को मेक्सिको के सबसे मजबूत वैश्विक पेय वर्गों में शामिल करने में मदद की। इससे नए ब्रांड भी आकर्षित हुए, जिनमें मुख्य रूप से अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए बनाए गए, मशहूर हस्तियों के समर्थन वाले लेबल शामिल हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं का कहना है कि एगेव की इसी मांग ने किसानों और निवेशकों को खाद्य फसलों और चरागाहों की जगह एकल-फसल वाले खेत लगाने के लिए प्रेरित किया। कुछ मामलों में खेती उन इलाकों तक भी पहुंची जो पहले जंगल, झाड़ीदार भूमि या संरक्षित बफर क्षेत्र थे।

मेक्सिको में टकीला का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य जलिस्को में, ITESO के भू-स्थानिक विशेषज्ञ मैक्सिमियानो बाउतिस्ता आंदालोन ने 2019 में उपग्रह तस्वीरों के जरिए एगेव के खेतों पर नजर रखना शुरू किया, जब कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर थीं। उस वर्ष उन्होंने राज्य में एगेव की खेती का रकबा करीब 100,000 हेक्टेयर आंका। छह साल बाद उनके आकलन में यह करीब 200,000 हेक्टेयर तक पहुंच गया था। उनके विश्लेषण में नए बागान ऐसे इलाकों में मिले जहां प्राकृतिक वनस्पति हटाई गई थी, मशीनों से जमीन साफ की गई थी या रोपाई से पहले आग लगी थी। उन्होंने कहा कि कुछ आग प्राकृतिक कारणों से लगी हो सकती हैं, लेकिन उन्होंने इस संभावना से इनकार नहीं किया कि कुछ आग जमीन के उपयोग में बदलाव लाने के लिए लगाई गई हों।

मेक्सिको के राज्यों सहित उपराष्ट्रीय सरकारों के गठबंधन Governors' Climate and Forests Task Force की 2023 की एक रिपोर्ट ने भी टकीला और मेज़कल के लिए एगेव की खेती के विस्तार को वनक्षय से जोड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, जलिस्को में 2019 से 2021 के बीच हर साल औसतन करीब 23,368 हेक्टेयर वन नष्ट हुआ। यह वही अवधि थी जब ब्लू एगेव की खेती का विस्तार सबसे तेज था। रिपोर्ट ने इन पेयों, खासकर टकीला, की मांग और कीमतों में वृद्धि को वन पारिस्थितिकी तंत्रों में एगेव की चक्रीय खेती के विस्तार का कारण बताया।

जलिस्को के वायेस, सुर और सिएनेगा क्षेत्रों में राजमार्गों से अब पहाड़ियों और पर्वत-शिखरों तक एगेव के खेत फैले दिखाई देते हैं। UNESCO से मान्यता प्राप्त एगेव परिदृश्य वाले टकीला कस्बे के आसपास भी यह फसल पारंपरिक मुख्य क्षेत्र से बहुत आगे तक फैल गई है। बाउतिस्ता ने कहा कि हाल के कुछ बागान महत्वपूर्ण जलस्रोतों के पास और उन इलाकों में नजर आए हैं जो कभी जंगलों और खेतिहर जमीन के बीच बफर का काम करते थे।

इसका एक उदाहरण ग्वाडलहारा महानगरीय क्षेत्र से करीब 28 मील दूर, त्लाहोमुल्को नगरपालिका के सेरो विएहो में मिलता है। बाउतिस्ता द्वारा देखी गई उपग्रह तस्वीरों में दिखा कि करीब छह साल पहले यह जमीन उपोष्णकटिबंधीय झाड़ीदार वनस्पति से ढकी थी। फिर यह मानव-प्रेरित घासभूमि बनी, बाद में यहां आग लगी और अब इस पर एगेव लगाया गया है। यह इलाका काजितित्लान झील और मेक्सिको की सबसे बड़ी झील चपाला झील के बीच स्थित एक राज्य-संरक्षित क्षेत्र के बफर जोन में आता है। इस पहाड़ पर चीड़ और ओक के जंगल तथा संरक्षित दर्जे वाली स्थानीय वनस्पतियां हैं।

एगेव के विस्तार ने दक्षिणी जलिस्को के परिदृश्य को भी बदल दिया है। ग्वाडलहारा विश्वविद्यालय के ऑस्कर राउल मांसिया ने कहा कि ऑटलान क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव का अध्ययन कर रहे शोधकर्ताओं ने पाया कि 2015 से 2026 के बीच वहां ब्लू एगेव की खेती 60% बढ़ी। वह 2026 के एक शोधपत्र के सह-लेखक थे, जिसमें अध्ययन किए गए क्षेत्र के 39.7% हिस्से में एगेव से जुड़ा वनक्षय दर्ज किया गया और मिट्टी का हल्का से मध्यम कटाव पाया गया, खासकर किसानों द्वारा प्रबंधित खेतों में।

मांसिया ने कहा कि एगेव लगाने का तरीका अक्सर नुकसान को और बढ़ा देता है। उनके मुताबिक, कई उत्पादक खेतों की कतारें ढलान से नीचे बहने वाले वर्षा जल की दिशा में बनाते हैं, जिससे कटाव तेज हो जाता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि एक हेक्टेयर क्षेत्र में ऊपरी मिट्टी की एक सेंटीमीटर परत का नुकसान करीब 100 टन मिट्टी के बराबर है। उन्होंने कहा कि एगेव के कुछ खेतों में एक ही बरसाती चक्र के दौरान मिट्टी का कटाव 30 सेंटीमीटर से अधिक हो जाता है।

पानी पर इस फसल के असर को लेकर भी चिंता है। उसी अध्ययन के मुताबिक, इलाके में एगेव के खेत बारिश के पानी का केवल करीब 10% से 20% हिस्सा ही भूजल भंडार तक पहुंचाते हैं, जबकि 80% से 90% पानी ढलानों से बह जाता है। स्वस्थ भूमि में आम तौर पर इसका उलटा होता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि बहता पानी मिट्टी, जैविक पदार्थ और कृषि रसायनों को नालों, जलाशयों और झीलों तक ले जा सकता है। मांसिया और बाउतिस्ता, दोनों ने ग्लाइफोसेट समेत खरपतवारनाशकों और कीटनाशकों के इस्तेमाल को चपाला झील और स्थानीय समुदायों के काम आने वाले छोटे जलाशयों जैसे आसपास के जलस्रोतों के लिए एक और जोखिम बताया।

2021 में CRT और जलिस्को सरकार ने वनों की कटाई-मुक्त टकीला आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ावा देने और टिकाऊपन के मानकों को पूरा करने के लिए Agave Responsable Ambiental प्रमाणन शुरू किया, जिसे ARA के नाम से जाना जाता है। CRT में टिकाऊपन परियोजनाओं का नेतृत्व करने वाले एडुआर्डो इबारा अरेलानो ने Mongabay Latam को बताया कि यह प्रणाली कारखानों और उत्पादकों को एक ऐसा नक्शा देती है, जिसमें जलिस्को और गुआनाहुआतो तथा मिचोआकान के कुछ हिस्सों में रोपाई के लिए उपयुक्त माने गए 2.67 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र चिह्नित हैं। उत्पादकों को यह जांचना होता है कि उनके खेत इन सीमाओं के भीतर आते हैं या नहीं और मेक्सिको के टकीला मानक NOM-006-SCFI-2012 के तहत CRT में पंजीकरण कराना होता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई भूखंड 2016 से पहले जंगल या संरक्षित भूमि था, तो उसे अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

इसके बावजूद, जांच में ऐसे सबूत मिले कि यह प्रणाली एगेव को उन इलाकों में फैलने से नहीं रोक पाई जहां इसकी खेती से बचना था। इबारा ने कहा कि उत्पादकों के बीच यह बात व्यापक रूप से जानी जाती है कि एगेव को अवैध रूप से बेचने के लिए बिचौलियों, यानी कोयोटेस, का इस्तेमाल किया जा सकता है। नवंबर 2025 में मेक्सिको की संघीय पर्यावरण प्रवर्तन एजेंसी Profepa ने जलिस्को के वाये दे ग्वादालूपे में एक अवैध संपत्ति का काम बंद करा दिया। वहां एगेव की खेती के लिए भूमि उपयोग में बदलाव से 202 हेक्टेयर ओक वन प्रभावित हुआ था।

यह समस्या संरक्षित भूमि तक भी पहुंचती है। ग्वाडलहारा के पास संघीय संरक्षण वाले ला प्रिमावेरा जंगल में ARA की मानचित्रण प्रणाली की उपग्रह तस्वीरों में कम से कम नौ ऐसे भूखंड दिखते हैं जिन्हें फसलों के लिए पात्र चिह्नित किया गया है और जिनमें एगेव की कतारें नजर आती हैं। ला प्रिमावेरा के अधिकारी गेब्रियल वाज़्केज़ ने Mongabay Latam को बताया कि जंगल को संरक्षित दर्जा मिलने से पहले इन भूखंडों पर खेती होती थी और शुरुआत में यहां मक्का, बीन्स और स्क्वैश उगाने वाले मिल्पा खेत थे। उन्होंने कहा कि बाद में मालिकों ने अधिक कमाई के लिए एगेव लगाना शुरू किया, जबकि यहां की मिट्टी नाजुक है और इस फसल के लिए ठीक नहीं है।

टकीला उत्पादकों और अंतरराष्ट्रीय पेय खरीदारों के लिए इन निष्कर्षों से पर्यावरणीय नुकसान से परे एक व्यापक कारोबारी समस्या सामने आती है। यदि अनधिकृत या पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील भूमि से आने वाला एगेव बिचौलियों के जरिए बाजार में पहुंचता है, तो इससे आपूर्ति की निगरानी में कमियां पैदा हो सकती हैं और उन ब्रांडों के लिए खरीद-स्रोत तथा प्रतिष्ठा से जुड़े संभावित जोखिम बढ़ सकते हैं जो टकीला को टिकाऊ या प्रीमियम उत्पाद के रूप में बाजार में पेश करते हैं।

विस्तार को बढ़ावा देने वाली बाजार की तेजी अब कई छोटे उत्पादकों के लिए बोझ बन गई है। CRT के आंकड़ों के अनुसार, पंजीकृत उत्पादकों की संख्या 2017 के 5,988 से बढ़कर 2025 में 43,000 से अधिक हो गई। Mongabay Latam द्वारा उद्धृत एक खेत-मजदूर के मुताबिक, 2017 से 2022 के बीच एगेव की कीमतों में आई सबसे तेज उछाल के दौरान एक हेक्टेयर से 3 मिलियन पेसो तक कमाए जा सकते थे, जबकि मक्के से सालाना करीब 40,000 पेसो मिलते थे। इस अंतर ने कई किसानों को एगेव कारोबार में उतरने के लिए मवेशी बेचने, कर्ज लेने या खाद्य फसलों की खेती रोकने पर मजबूर किया।

लेकिन 7 से 8 साल के फसल चक्र ने कीमतें उलटने पर कई उत्पादकों को मुश्किल में डाल दिया। इस क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले तकनीकी मंच agaves.pro के आंकड़ों के मुताबिक, 2017 से 2020 के बीच ब्लू एगेव 26 से 30 पेसो प्रति किलोग्राम बिका और 2021 में इसकी कीमत 32 पेसो तक पहुंची। 2025 तक भाव गिरकर केवल 1 या 2 पेसो प्रति किलोग्राम रह गया। जुलाई 2026 में CRT ने एगेव के छोड़े गए खेतों की समस्या को स्वीकार किया, हालांकि इसकी कुल संख्या का कोई आधिकारिक आंकड़ा सार्वजनिक नहीं किया गया है। एजिडो क्षेत्रों में कुछ किसान टकीला मानक के तहत फसल का कानूनी पंजीकरण कराने के लिए जरूरी भूमि दस्तावेज पूरे करने में भी जूझ रहे हैं। नतीजतन, उनके पास परिपक्व पौधे तो हैं, लेकिन उन्हें औपचारिक बाजार में बेचने का स्पष्ट रास्ता नहीं है।